第一周 2.19 第三课时 课程检测题目（第一部分：读写题目）

《信陵君窃符救赵》测试题

微写作（满分10分）

“士为知己者死”的意思是指甘愿为赏识自己、栽培自己的人献身。（百度百科）《信陵君窃符救赵》中侯生在信陵君至晋鄙军之日北乡自刭，除了有激励信陵君斗志的意味外，也从一个侧面反映了当时“士为知已者死” 道德观念。作为现代社会的中学生，你对战国时士人交往的这一条重要准则有什么看法？请谈谈你的理解？ （要点提示：写议论文段时，注意观点明确、论证充分、逻辑清晰、语言流畅。200字左右

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |

提示:

“士为知己者死”除了报答知遇之恩的情结外，在某种程度上也以自己的行动证明人间道义、人的气节和忠义。他们对人生价值的衡量完全以精神为标准，一生也甘为一些理念、原则而执著追求甚至献身牺牲。在他们身上，看到许多高于个人生死之外的东西。现代中学生要从他们身上，要明白做人的真理、人生价值的真正所在，不断陶冶、锤炼自己，使自己的精神有横贯日月的浩然正气，使自己的人生价值有高于物欲和世俗的升华和辉煌。当然也切不可追求个人的哥们义气，为了个人的私利恩怨而损害大义与国家法律。